दैनिक

सुप्रीम न्यूज

हिन्दी समाचार पत्र

आर एन आई नंबर UPHIN/2010/33252

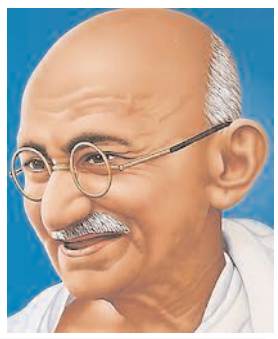

जनता का अखबार

वर्ष : 13 अंक : 293 गौतमबुद्धनगर, बुधवार, 28 दिसम्बर 2022 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित पृष्ठ : 04 मूल्य : 05 रूपये मात्र

2024 में इस सीट से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी! कांग्रेस के प्लान का हुआ खुलासा

नई दिल्ली। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस खास प्लान बना रही है. कांग्रेस पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बीच जिम्मेदारी बांटने वाली है. बताया जा रहा है कि राहुल दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि प्रियंका गांधी उत्तर भारत में पार्टी की कमान संभालेंगी. बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नए साल में उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और यहां तीन दिनों तक चलेगी. इस यात्रा में राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी.

लोकसभा चुनाव में इस सीट से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी!

प्रियंका गांधी ने हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान जमकर प्रचार किया था और इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को मिला. हिमाचल में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच जिम्मेदारी बांटने की रणनीति पर काम कर रही है. कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं के बेहद करीबी पत्रकार हिसाम सिद्दीकी कहते हैं कि राहुल गांधी दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे और केरल की वायनाड सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि प्रियंका उत्तर भारत में पार्टी की कमान संभालेंगी और रायबरेली सीट से चुनाव लड़ सकती हैं.

प्रियंका गांधी ने हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान जमकर प्रचार किया था और इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को मिला. हिमाचल में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच जिम्मेदारी बांटने की रणनीति पर काम कर रही है. कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं के बेहद करीबी पत्रकार हिसाम सिद्दीकी कहते हैं कि राहुल गांधी दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे और केरल की वायनाड सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं,

उत्तर भारत में भी सक्रिय रहेंगे राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे, इसका मतलब यह नहीं है कि वो उत्तर भारत के राज्यों में प्रचार नहीं करेंगे. वह उत्तर भारत में भी प्रचार करेंगे, हालांकि कमान उनकी बहन प्रियंका गांधी के हाथ में होगी. पार्टी के नेताओं के अनुसार, कांग्रेस पार्टी इस बार उत्तर प्रदेश पर फोकस करना चाहती है और प्रियंका गांधी अब पूरी तरह से यूपी में पार्टी को मजबूत करने में जुटेंगी.

बीजेपी की रणनीति को ध्वस्त करने में जुटेंगी प्रियंका

प्रियंका गांधी की पीआर टीम के लोगों का भी दावा है कि राहुल गांधी अब दक्षिण भारत में और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर में कमान संभालेंगी. प्रियंका गांधी लखनऊ और दिल्ली में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी की रणनीति को ध्वस्त करने में जुटेंगी. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भले की कांग्रेस पार्टी को लाभ नहीं हुआ, लेकिन प्रियंका गांधी की मेहनत में कोई कमी नहीं रही थी. पार्टी नेताओं का कहना है कि प्रियंका गांधी के कमान संभालने पर पार्टी को यूपी सहित पूरे उत्तर भारत में लाभ होगा. वहीं, राहुल गांधी के चलते दक्षिण भारत में पार्टी का परचम फहराएगा.

● राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नए साल में उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और यहां तीन दिनों तक चलेगी।

अनाकापल्ली में दवा कंपनी की लैब में आग, चार की मौत, एक घायल

पुलिस के मुताबिक, घटना में घायल हुए व्यक्ति को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि यह घटना उस वक्त हुई, जब कंपनी की बिल्डिंग में मेंटेनेंस का काम जारी था।

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनाकपल्ली स्थित एक दवा कंपनी में सोमवार देर शाम आग लग गई। बताया गया है कि आग परवादा लॉरस फार्मा लैब्स लिमिटेड कंपनी की प्रयोगशाला में लगी। इस आग की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घायल को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि यह घटना उस वक्त हुई, जब कंपनी की बिल्डिंग में मेंटेनेंस का काम जारी था। राज्य के उद्योग मंत्री अमरनाथ ने कहा कि घायल व्यक्ति का इलाज जारी है और उन्होंने इस घटना की सूचना मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को दे दी है। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये मुआवजे का एलान किया है। इसके अलावा घायल व्यक्ति के इलाज और उसकी आर्थिक मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। सरकार ने इस घटना की वजह का पता लगाने के लिए एक जांच भी बिठा दी है।

बॉर्डर पर पाकिस्तान ने खूब की हिमाकत

सालभर में तीन गुना बढ़ी घुसपैठ; पंजाब में सर्वाधिक

नई दिल्ली। पिछले एक साल में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन देखे जाने की घटनाओं में तीन गुना वृद्धि हुई है। साल 2021 में 104 ड्रोन देखे गए थे जबकि इस साल 23 दिसंबर तक पाकिस्तान से आनेवाले ऐसे मानवरहित एरियल वाहनों (यूएवी) की संख्या 311 हो गई।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा जुटाए गए आंकड़े के अनुसार, इस साल ड्रोन देखे जाने की घटनाएं 2020 की तुलना में चौगुनी हो गई हैं। साल 2020 में 77 यूएवी देखे गए थे। बीएसएफ 3,323 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा की निगरानी करती है। ज्ञात है कि पाकिस्तान से आनेवाले ड्रोन हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी का एक प्रमुख स्रोत हैं। साथ ही ये भारत में ड्रग्स भी लाते हैं।

बल ने बताया कि सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने ऐसे 22 से अधिक ड्रोन को मार गिराया और लगभग 45 किलोग्राम हेरोइन और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया - जिसमें सात ग्रेनेड, दो मैगजीन, 60 गोला-बारूद और अन्य हथियार शामिल थे।

● **बल ने बताया कि सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने ऐसे 22 से अधिक ड्रोन को मार गिराया और लगभग 45 किलोग्राम हेरोइन और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया**

इस साल 1 जनवरी, 2020 से इस साल 23 दिसंबर तक भारत-पाकिस्तान सीमा पर देखे गए कुल 492 यूएवी या ड्रोन में से इस साल 311, 2021 में 104 और 2020 में 77 देखे गए। इनमें से 369 यूएवी पंजाब में, 75 जम्मू में, 40 राजस्थान में और 8 गुजरात में देखे गए। पंजाब में सबसे अधिक 164 ड्रोन अमृतसर में, 96 गुरदासपुर में, 84 फिरोजपुर में और 25 अबोहर जिले में देखे गए। जम्मू फ्रंटियर के तहत, इंद्रेश्वर नगर में कुल 35, जम्मू में 29 और सुंदरबनी में 11 ड्रोन देखे गए। राजस्थान के श्री गंगानगर में 32, बाड़मेर में सात, बीकानेर और जैसलमेर उत्तर में तीन-तीन, जैसलमेर दक्षिण में दो और गुजरात के भुज में एक ड्रोन देखा गया।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि इस साल 1 जुलाई से 23 दिसंबर के बीच कुल 206 ड्रोन देखे गए। उनमें से अधिकतम 45 ड्रोन अगस्त में देखे गए, इसके बाद सितंबर में 44, अक्तूबर में 38, नवंबर में 36 और दिसंबर में 24 ड्रोन देखे गए।

बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार हथियारों, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए पाकिस्तान द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दिल्ली को नए साल 2023 में मिल सकती है इन 4 एक्सप्रेसवे की सौगात

खत्म होगा जाम का झाम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को परिवहन के लिहाज से नए साल में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। चार एक्सप्रेसवे को 2023 में यातायात के लिए खोला जाएगा। वहीं, तीन अहम अंडरपास भी शुरू किए जाएंगे। इनसे रिंग रोड और अन्य मार्गों पर जाम का झंझट खत्म होगा। मौजूदा समय में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय दिल्ली को जाम से निजात दिलाने के लिए करीब 60 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसमें से चार वर्ष 2023 में तैयार हो जानी हैं। लोक निर्माण विभाग भी रिंग रोड और अन्य प्रमुख मार्गों पर जाम कम करने के लिए फ्लाईओवर और अंडरपास तैयार करा रहा है, जिनमें से तीन फ्लाईओवर आने वाले वर्ष में यातायात के लिए खोल दिए जाएंगे।

द्वारका एक्सप्रेसवे-दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर जाम को खत्म करने के लिए दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे-48 के बाईपास के तौर पर 29 किमी लंबे द्वारका एक्सप्रेसवे का निर्माण चल रहा है। अगस्त 2023 तक आठ लेन के एक्सप्रेसवे को बनाने में 6.3 किलोमीटर की देश की पहली सबसे लंबी अर्बन टनल भी बनाई जा रही है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे - हरियाणा के सोहना से राजस्थान के दौसा तक 276 किमी लंबे आठ लेन के एक्सप्रेसवे का काम अंतिम चरण में है। फरवरी 2023 तक इसे शुरू कर दिया जाएगा। इसे ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जोड़ा गया है। आश्रम अंडरपास के पास से दिल्ली-मुंबई कनेक्टर बनाया जा रहा है जो मार्च 2024 तक बनकर तैयार होगा।

अर्बन एक्सटेंशन रोड- दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-द्वारका, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे व इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ने के लिए 75.5 किलोमीटर लंबी अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का निर्माण तेजी से चल रहा है। अगस्त 2023 तक छह लेन के अर्बन एक्सटेंशन रोड को तैयार करने का लक्ष्य है। अर्बन एक्सटेंशन रोड बनने से वाहन दिल्ली के अंदर आए बिना ही बाहर निकल सकेंगे।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे दिसंबर तक बनेगा-अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन से गीता कॉलोनी और यूपी बॉर्डर के रास्ते लोनी और बागपत होते हुए 210 किलोमीटर लंबा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे तैयार किया जा रहा है। इसके दो चरणों का काम एनएचएआई की दिल्ली यूनिट करा रही है, जिनका करीब 30 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। छह लेन का एक्सप्रेसवे सीधे आईटीओ, सिग्नेचर ब्रिज, आईएसबीटी कश्मीरी गेट और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। इसे दिसंबर 2023 तक पूरा किया जाना है।

आश्रम फ्लाईओवर- एम्स से डीएनडी की तरफ आने-जाने वाले वाहनों को जाम से निजात दिलाने के लिए फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है। अभी तक करीब 70 फीसदी काम पूरा हो गया है। फरवरी 2023 के अंत तक फ्लाईओवर को यातायात के लिए खोला जाएगा।

सराय काले खां अंडरपास -रिंग रोड के रास्ते आईटीओ से आश्रम की तरफ जाने वालों को सराय काले खां रेलवे स्टेशन और बस अड्डे के सामने जाम झेलना पड़ता है। अक्तूबर 2023 अंडरपास बनने से जाम से राहत मिलेगी।

देश को आजादी दिलाने वाली पार्टी है कांग्रेस!

आजादी के बाद कांग्रेस कई बार विभाजित हुई। लगभग 50 नई पार्टियां इस संगठन से निकल कर बनीं। इनमें से कई निष्क्रिय हो गए तो कईयों का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और जनता पार्टी में विलय हो गया। कांग्रेस का सबसे बड़ा विभाजन सन1967 में हुआ। जब इंदिरा गांधी ने अपनी अलग पार्टी बनाई जिसका नाम कांग्रेस (आर) रखा। सन 1971 के चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने इसका नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कर दिया।

डॉ श्रीगोपाल नारसन

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का स्वर्णिम इतिहास देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है। कांग्रेस का जन्म 22 दिसंबर सन 1885 में हुआ।कांग्रेस के संस्थापक एलन ऑक्टेवियन ह्यूम थे। एलेन ओक्टेवियन ह्यूम का जन्म सन1829 को इंग्लैंड में हुआ था। वह अंग्रजी शासन की सबसे प्रतिष्ठित बंगाल सिविल सेवा में पास होकर सन 1849 में ब्रिटिश सरकार के एक अधिकारी बने।सन 1857 की गदर के समय वह इटावा के कलक्टर थे। लेकिन ए ओ ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाई और सन1882 में पद से अवकाश ले लिया और कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में मुंबई में पार्टी की पहली बैठक हुई थी। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिल कर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया। लेकिन सन1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख़ कड़ा हुआ और अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ आंदोलन शुरु हए।इसी बीच महात्मा गाँधी भारत लौटे और उन्होंने ख़िलाफ़त आंदोलन शुरु किया। शुरु में बापू ही कांग्रेस के मुख्य विचारक रहे। इसको लेकर कांग्रेस में अंदरुनी मतभेद गहराए। चित्तरंजन दास एनी बेसेंट मोतीलाल नेहरू जैसे नेताओं ने अलग स्वराज पार्टी बना ली।साल 1929 में ऐतिहासिक लाहौर सम्मेलन में जवाहर लाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज का नारा दिया। पहले विश्व युद्ध के बाद पार्टी में महात्मा गाँधी की भूमिका बढ़ी हालाँकि वो आधिकारिक तौर पर इसके अध्यक्ष नहीं बने लेकिन कहा जाता है कि सुभाष चंद्र बोस को कांग्रेस से निष्कासित करने में उनकी मुख्य भूमिका थी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में कांग्रेस सबसे मज़बूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी। महात्मा गाँधी की हत्या और सरदार पटेल के निधन के बाद जवाहरलाल नेहरु के करिश्माई नेतृत्व में पार्टी ने पहले संसदीय चुनावों में शानदार सफलता पाई और ये सिलसिला सन 1967 तक लगातार चलता रहा। पहले प्रधानमंत्री के तौर पर जवाहर लाल नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता आर्थिक समाजवाद और गुटनिरपेक्ष विदेश नीति को सरकार का मुख्य आधार बनाया जो कांग्रेस पार्टी की पहचान बनी। नेहरू की अगुआई में सन1952 सन1957 और सन1962 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफलता पाई। सन1964 में जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री के हाथों में कमान सौंप गई लेकिन उनकी भी सन 1966 में ताशकंद में रहस्यमय हालात में मौत हो गई। इसके बाद पार्टी की मुख्य कतार के नेताओं में इस बात को लेकर ज़ोरदार बहस हुई कि अध्यक्ष पद किसे सौंपा जाए। आख़िरकार पंडित नेहरु की बेटी इंदिरा गांधी के नाम पर सहमति बनी।देश की आजादी के संघर्ष से जुड़े सबसे मशहूर और जाने-माने लोग इसी कांग्रेस का हिस्सा थे।गांधी-नेहरू से लेकर सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद तक आजादी की लड़ाई में आम हिंदुस्तानियों की नुमाइंदगी करने वाली पार्टी ने देश को एकता के सूत्र में बांधने की कोशिश की थी।एलेन ओक्टेवियन ह्यूम सन1857 के गदर के वक्त इटावा के कलेक्टर थे। ह्यूम ने खुद ब्रटिश सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और 1882 में पद से अवकाश लेकर कांग्रेस यूनियन का गठन किया। उन्हीं की अगुआई में बॉम्बे में पार्टी की पहली बैठक हुई थी. व्योमेश चंद्र बनर्जी इसके पहले अध्यक्ष बने। शुरुआती वर्षों में कांग्रेस पार्टी ने ब्रिटिश सरकार के साथ मिलकर भारत की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की और इसने प्रांतीय विधायिकाओं में हिस्सा भी लिया लेकिन 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद पार्टी का रुख कड़ा हुआ और अंग्रेजी हुकूमत के खि?लाफ आंदोलन शुरू हुए।दादाभाई नौरोजी और बदरुद्दीन तैयबजी जैसे नेता कांग्रेस के साथ आ गए थे।आजादी के बाद सन1952 में देश के पहले चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई। सन1977 तक देश पर केवल कांग्रेस का शासन था।लेकिन सन 1977 में हुए चुनाव में जनता पार्टी ने कांग्रेस से सत्ता की कुर्सी छीन ली थी। हालांकि तीन साल के अंदर ही सन1980 में कांग्रेस वापस गद्दी पर काबिज हो गई।सन 1989 में कांग्रेस को फिर हार का सामना करना पड़ा।दादा भाई नौरोजी 1886 और 1893 में कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1887 में बदरुद्दीन तैयबजी तो सन1888 में जॉर्ज यूल कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।सन1889 से सन1899 के बीच विलियम वेडरबर्न फिरोज़शाह मेहता आनंदचार्लू अल्फ्रेड वेब राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ बनर्जी आगा खान के अनुयायी रहमतुल्लाह सयानी स्वराज का विचार देने वाले वकील सी शंकरन नायर बैरिस्टर आनंदमोहन बोस और सिविल अधिकारी रोमेशचंद्र दत्त कांग्रेस अध्यक्ष रहे।इसके बाद हिंदू समाज सुधारक सर एनजी चंदावरकर कांग्रेस के संस्थापकों में शुमार दिनशॉ एडुलजी वाचा बैरिस्टर लालमोहन घोष सिविल अधिकारी एचजेएस कॉटन गरम दल व नरम दल में पार्टी के टूटने के वक्त गोपाल कृष्ण गोखले वकील रासबिहारी घोष शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय बीएन दार सुधारक राव बहादुर रघुनाथ नरसिम्हा मुधोलकर नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर भूपेंद्र नाथ बोस ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में पहले भारतीय सदस्य बने एसपी सिन्हा एसी मजूमदार पहली महिला कांग्रेस अध्यक्ष एनी बेसेंट सैयद हसन इमाम और नेहरू परिवार के मोतीलाल नेहरू सन 1900 से सन 1919 के बीच कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन 1915 में अफ्रीका से लौटकर भारत आए मोहनदास करमचंद गांधी का प्रभाव कांग्रेस की विचारधारा व आंदोलन तय करने में सन1920 के आसपास से साफ दिखना शुरू हो गया था।जो गांधी के जीवन के बाद तक भी बना हुआ है। सन1920 से भारत की आज़ादी अर्थात सन 1947 के बीच के युग में कांग्रेस अध्यक्ष पंजाब केसरी लाला लाजपत राय थे जिन्होंने सन1920 के कलकत्ता अधिवेशन की अध्यक्षता की। स्वराज संविधान बनाने में अग्रणी रहे सी विजयराघवचारियार जामिया मिल्लिया के संस्थापक हकीम अजमल खान देशबंधु चितरंजन दास मोहम्मद अली जौहर शिक्षाविद मौलाना अबुल कलाम आज़ाद कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन1924 में बेलगाम अधिवेशन की अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी और यहां से कांग्रेस के ऐतिहासिक स्वदेशी सविनय अवज्ञा और असहयोग आंदोलनों की नींव पड़ी थी। सरोजिनी नायडू मद्रास के एडवोकेट जनरल रहे एस श्रीनिवास अयंगर मुख्तार अहमद अंसारी कांग्रेस अध्यक्ष रहे। गांधी के अनुयायी जवाहरलाल नेहरू सन 1929 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष बने थे सरदार वल्लभभाई पटेल नेली सेनगुप्ता राजेंद्र प्रसाद नेताजी सुभाषचंद्र बोस और गांधी के अनुयायी जेबी कृपलानी भारत को आज़ादी मिलने तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे।सन1948 और सन 1949 में पट्टाभि सीतारमैया कांग्रेस के अध्यक्ष रहे और यही वह साल था जब गांधी की हत्या हो चुकी थी. महात्मा गांधी का प्रभाव आज तक भी भारतीय राजनीति पर है लेकिन उनकी हत्या के बाद कांग्रेस का नेहरू युग शुरू हुआ। पहले प्रधानमंत्री बन चुके पंडित जवाहर लाल नेहरू के समय में जिस साल संविधान लागू हुआ ।सन 1950 में कांग्रेस के अध्यक्ष साहित्यकार पुरुषोत्तमदास टंडन थे।सन1951 से सन 1954 तक खुद नेहरू अध्यक्ष रहे। पंडित नेहरू युग में 1955 से सन19 59 तक यूएन धेबार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। सन 1959 में पहली बार कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी बनी थी।सन 1960 से सन 1963 तक नीलम संजीव रेड्डी नेहरू के निधन के सन 1964 से सन19 67 तक कामराज कांग्रेस अध्यक्ष रहे। हालांकि नेहरू का निधन 1964 में हो चुका था लेकिन कांग्रेस का अगला इंदिरा गांधी युग लाल बहादुर शास्त्री की मौत के बाद शुरू होता है।सन 1966 में पहली बार देश की पहली और इकलौती महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी बनीं। कामराज के साथ उनका सत्ता संघर्ष काफी चर्चित रहा। इसके बाद ही इंदिरा की लीडरशिप और उनके आयरन लेडी होने के ख्याति मिलने लगी। इंदिरा गांधी के प्रभाव के समय में सन 1968से सन 1969 तक निजालिंगप्पा 1970से सन 1971 तक बाबू जगजीवन राम 1972से सन 1874 तक शंकर दयाल शर्मा और सन 1975 से सन 1977 तक देवकांत बरुआ कांग्रेस अध्यक्ष रहे।

सन1977 से सन1978 के बीच केबी रेड्डी ने कांग्रेस को संभाला लेकिन इमरजेंसी के बाद कांग्रेस टूटी तो सन 1978 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की अध्यक्ष वे स्वयं बनीं।कुछ समय को छोड़कर 1984 में अपनी हत्या के पहले तक इंदिरा ही अध्यक्ष रहीं। कांग्रेस ने करीब 15 साल का इंदिरा गांधी युग देखा और इसके बाद राजीव गांधी युग शुरू हुआ कांग्रेस अध्यक्ष इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री भी बने और सन1985 में कांग्रेस के अध्यक्ष भी बन गए थे। जब प्रधानमंत्री व कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गांधी की हत्या हुई तब फिर कांग्रेस के सामने अध्यक्ष को लेकर संकट खड़ा हो गया थाक्योंकि शुरुआत में सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति में आने में रुचि नहीं दिखाई थी।इसी कारण सन1992 से सन1996 तक पीवी नरसिम्हाराव ने कांग्रेस का नेतृत्व किया ।सन 1996 से सन 19 98 तक गांधी परिवार के वफादार सीताराम केसरी अध्यक्ष रहे।सोनिया गांधी का सक्रिय राजनीति में पदार्पण हुआ और सन1998 से सन 2017 तक करीब 20 वर्षो तक सोनिया ही कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं।राहुल गांधी को सन 2017 में पार्टी की कमान सौंपी गई लेकिन सन 2019 के आम चुनावों में बड़ी हार के बाद राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकश की और कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष गांधी परिवार के बाहर के नेता को होना चाहिए।लेकिन इसपर सहमति नही हुई। तबसे कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी ही ने कांग्रेस का नेतृत्व कर रही है। सन1991सन 2004 सन2009 में कांग्रेस ने दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर केंद्र की सत्ता हासिल की। आजादी के बाद कांग्रेस कई बार विभाजित हुई। लगभग 50 नई पार्टियां इस संगठन से निकल कर बनीं। इनमें से कई निष्क्रिय हो गए तो कईयों का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और जनता पार्टी में विलय हो गया। कांग्रेस का सबसे बड़ा विभाजन सन1967 में हुआ। जब इंदिरा गांधी ने अपनी अलग पार्टी बनाई जिसका नाम कांग्रेस (आर) रखा। सन 1971 के चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने इसका नाम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कर दिया। राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का काम देखना एआईसीसी की जिम्मेदारी होती है. राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के अलावा पार्टी के महासचिव खजांची पार्टी की अनुशासन समिति के सदस्य और राज्यों के प्रभारी इसके सदस्य होते हैं.हर राज्य में कांग्रेस की ईकाई है जिसका काम स्थानीय और राज्य स्तर पर पार्टी के कामकाज को देखना होता है।कांग्रेस की कमान इस समय मल्लिकार्जुन खड़गे संभाल रहे है।पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस अपना वजूद बचाने के लिए संघर्ष कर रही है।कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा इस प्रयास का एक हिस्सा है जिसका नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे है।

विचार मंथन

चीन और अमेरिका आमने-सामने

सनत जैन

अमेरिका ने चीन के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोल कर रखा हुआ है। ताइवान में अमेरिका की दखलंदाजी दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। इसके अलावा कोरोनावायरस को लेकर जिस तरह से यूरोपियन मीडिया चीन के खिलाफ अभियान चला रहा है। उसको लेकर अब चीन भी भड़ककर सीधी लड़ाई में उतर आया है। चीन ने ताइवान में घुसकर युद्धाभ्यास किया। 71 लड़ाकू विमान भेजकर चीनी सेना ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अमेरिका के भड़काने पर यह हमारा जवाब है। ताइवान की डिफेंस मिनिस्ट्री ने इसे चीन की तरफ से की गई सबसे बड़ी घुसपैठ बताया है। अमेरिका के डिफेंस बजट में ताइवान के लिए 82000 करोड़ रुपए की मदद करन का प्रावधान ने चीन को भड़का दिया है।

फार्मा कंपनियों ने भी चीन की वैक्सीन हो निशाने पर ले लिया है। कोरोनावायरस जब फैल रहा था। तब चीन ने बड़ी मात्रा में वैक्सीन कई देशों में सप्लाई की थी। वैक्सीन की संख्या करोड़ों में बताई जाती हैं। पिछले 1 साल में फार्मा कंपनियों ने कोरोनावायरस की नई वैक्सीन तैयार की हैं। 20 दिन में 24 करोड़ चीनी नागरिक संक्रमित होने और लाखों चीनी नागरिकों का मरने का दावा यूरोपियन मीडिया द्वारा किया जा रहा है । यह प्रचारित किया जा रहा है कि चीन में लाशों से सेकड़ों कोल्ड स्टोरेज भर गए हैं। यूरोपियन मीडिया की मानें तो चीन में लाखों लोगों की मौत कोरोना से हो गई है । इस मामले में डब्ल्यूएचओ और चीन की सरकार द्वारा यूरोपियन मीडिया द्वारा जो अभियान चलाया जा रहा है। उसकी पुष्टि नहीं हो रही है। कोरोना वैक्सीन का कारोबार अरबों-खरबों रुपयों का है। इसमें भारतीय और यूरोपीयन फार्मा कंपनी शामिल है। इसे चीन के खिलाफ अमेरिकी सरकार का अप्रत्यक्ष अभियान चीन मानकर चल रहा है।

चीन और रूस की संगामिती अमेरिका के खिलाफ शुरू इस अभियान में एक साथ मुकाबले में देखने को मिल रही है। अमेरिका ने यूक्रेन को भी सैन्य एवं वित्तीय सहायता देकर रूस के खिलाफ जबरदस्त अभियान चलाया जा रहा है। ऐसी स्थिति में चीन और रूस मिलकर अमेरिका के खिलाफ एक जुट हैं। चीन और अमेरिका जिस तरह से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। उसकी आंच कहीं ना कहीं भारत पर भी पड़ती हुई दिख रही है। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में चीन समर्थक प्रचंड फिर से प्रधानमंत्री बन गए हैं। चुनाव में प्रचंड की पार्टी काफी पीछे थी लेकिन चीन ने प्रचंड को प्रधानमंत्री बनाने के लिए सारी ताकत लगा दी। वहीं भारत समर्थक देउवा सबसे बड़ी पार्टी होने के बाद भी अलग-थलग पड़े गये। इसे भारत की कूटनीतिक हार के रूप में देखा जा रहा है। चीन द्वारा भारत की समीओं पर लगातार घुसपैठ की जा रही है। इससे चीन और भारत के बीच तनाव बढ़ रहा है। बहरहाल जिस तरह से अमेरिका और चीन के बीच लगातार तल्खी बढ़ती जा रही है। रूस और यूक्रेन के बीच में तल्खी बनी हुई है। यूरोप के साथ-साथ अब भारत में भी ऊर्जा संकट गैस के रूप में जल्द ही देखने को मिलेगा वही खाद की कमी से भी भारत को जूझना पड़ेगा। रूस ने अपनी गैस की पाइप लाइन बंद कर दी है। जिसके कारण जर्मनी से आने वाली भारत की गैस आपूर्ति में बाधा शुरू हो गई है। सीएनजी गैस के दाम भारत में 100 रुपया किलो को पार कर ली है। 2023 में दुनिया में आर्थिक मंदी को लेकर एक भय व्याप्त है। इसी बीच रूस चीन और अमेरिका के बीच जिस तरह की लड़ाई देखने को मिल रही है। उससे सारे दुनिया के देशों की चिंता बढ़ रही है। इसका समाधान होगा या तीसरे विश्व युद्ध जैसे हालत बनेंगे। इसकी चिंता सभी को होने लगी है।

स्वात्वाधिकारी **मुद्रक, प्रकाशक संजय भाटी ने** वत्स आफसैट मुदद्रा हाऊस सी ब्लाक बारातघर के सामने चौडा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं सेवा सदन देवला , ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया । RNI.NO.UPHIN/2010/33252, Mob. 9811291332 किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। **संपादक- मधु**

सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में नौकरशाही की भूमिका अहम : सीडीएस

उच्च रक्षा तैयारियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ लिये जाने की भी दी सलाह

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का सुरक्षा के खतरों का सही आकलन करने पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने आज सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संपूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण को अपनाने में सेना और नौकरशाही की भूमिका को अहम बताया है। सीडीएस ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में सशस्त्र बलों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्च रक्षा तैयारियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ लिये जाने पर भी जोर दिया।

स्वतंत्र थिंक टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज, नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'सिविल-मिलिट्री इंटीग्रेशनः द वे फॉरवर्ड' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य नागरिक-सैन्य संबंधों की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना और दो स्तंभों के बीच कामकाज और परिणामों में अधिक तालमेल हासिल करने के उपायों की सिफारिश करना है। संगोष्ठी की शुरुआत आज सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए संपूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण को अपनाने में सेना और नौकरशाही की भूमिका पर चर्चा के साथ हुई।

संगोष्ठी की शुरुआत करते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति 'संपूर्ण सरकार' दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि उच्च रक्षा तैयारियों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ लिया जाना चाहिए। मुख्य भाषण करते हुए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सुरक्षा के खतरों का सही आकलन करने, महत्वपूर्ण रणनीतिक दिशा-निर्देशों और दस्तावेजों को स्पष्ट करने, वांछित सैन्य क्षमताओं की पहचान करने, सक्षम नीतियां तैयार करने और समग्र राष्ट्र के अनुरूप उपयुक्त प्रतिक्रियाओं को प्रभावी करने के लिए तालमेल के महत्व पर बात की।

इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों, सिविल सेवाओं के विशिष्ट प्रतिभागियों के साथ-साथ रक्षा उद्योग और शैक्षणिक समुदाय के प्रतिनिधि, कई थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थान भाग ले रहे हैं। आज विचार-विमर्श के दौरान कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने नौकरशाही-सैन्य एकीकरण की बारीकियों पर चर्चा की। आज की चर्चा में पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार, डीएमए के अतिरिक्त सचिव लेफ्टिनेंट जनरल अनिल पुरी, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर के डॉ. अनित मुखर्जी, विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन के निदेशक डॉ. अरविंद गुप्ता, यूपीएससी के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) और रक्षा मंत्रालय के प्रधान सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल विनोद खंडारे ने उपयोगी विचार साझा किए।

संगोष्ठी के दूसरे दिन मंगलवार को सैन्य उद्योग एकीकरण से संबंधित चर्चा होनी है, जिसके लिए प्रमुख वक्ताओं में तीनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी, सेंटर फॉर एयरपावर स्टडीज के महानिदेशक एयर मार्शल अनिल चोपड़ा (सेवानिवृत्त), पूर्व डीजी आर्टिलरी लेफ्टिनेंट जनरल पीआर शंकर, भारत फोर्ज डिफेंस एंड एयरोस्पेस के अध्यक्ष राजिंदर सिंह भाटिया, इंडियन डिफेन्स एकाउंट सर्विसेज के डॉ. भारतेंदु कुमार सिंह, भारतीय उद्योग परिसंघ के प्रधान सलाहकार रियर एडमिरल प्रीतम लाल (सेवानिवृत्त) हैं।

भाषा को नौकरियों या व्यवसायों से जोड़ने से वृद्धि और विकास का रास्ता निकलता है : डॉ जितेन्द्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विज्ञान साहित्य के हिंदी माध्यम या अन्य स्थानीय भाषाओं में अनुवाद के महत्व पर जोर दिया है। वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के लिए हिंदी सलाहकार समिति की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हम सभी को मातृभाषा और आधिकारिक भाषा हिंदी दोनों के लिए निरंतर काम करना चाहिए और अधिक भाषाओं को सीखने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने बताया कि इस साल अक्टूबर में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम की किताबें हिंदी में लॉन्च कीं। इससे मध्य प्रदेश हिन्दी भाषा में चिकित्सा शिक्षा देने वाला पहला राज्य बन गया। मंत्री ने कहा कि भाषा को नौकरियों या व्यवसायों से जोड़ने से वृद्धि और विकास का रास्ता निकलता है। उन्होंने कहा कि वह पूर्वोत्तर राज्यों में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कहने पर नियुक्त किए गए हिंदी शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होने का मुद्दा उठाएंगे। इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवा पर्यटन और विमानन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और हिंदी के ज्ञान ने उन्हें रोजगार सुरक्षित करने में मदद की है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश के बाद नियमित अंतराल पर बैठकें हो रही हैं, जिसके परिणाम देखे जा सकते हैं।

श्रद्धा हत्याकांड: सीएफएसएल टीम ने आरोपित आफताब का वॉयस सैंपल रिकॉर्ड किया

नई दिल्ली। श्रद्धा हत्याकांड मामले में सीबीआई की सीएफएसएल टीम ने आफताब की आवाज का नमूना लिया। इससे पहले 23 दिसंबर को साकेत कोर्ट में सुनवाई के दौरान पुलिस ने आवाज का नमूना लेने की अनुमति मांगी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने आफताब की न्यायिक हिरासत 6 जनवरी तक बढ़ा दी थी। अब आफताब 6 जनवरी तक पुलिस हिरासत में रहेगा। सुबह करीब 11 बजे दिल्ली पुलिस की एक टीम श्रद्धा हत्याकांड मामले में मुख्य आरोपित आफताब को तिहाड़ जेल से लेकर सीबीआई दफ्तर में पहुंची। करीब तीन घंटे तक सीबीआई दफ्तर की लैब में आफताब की आवाज के नमूने रिकॉर्ड किए गए। करीब दो बजे टीम आफताब को लेकर वापस तिहाड़ जेल चली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आफताब के मोबाइल से मैसेज और रिकॉर्डिंग रिकवर किए गए हैं, जिनमें श्रद्धा से झगड़े किए जाने और अपने दोस्तों से बातचीत किए जाने के संदेश हैं। पुलिस को उम्मीद है कि वॉयस सैंपल का मिलान होने पर पुलिस को इस मामले में न्यायालय के समक्ष केस को स्थापित करने में मदद मिलेगी। दिल्ली के साकेत कोर्ट में 23 दिसंबर को इस मामले में सुनवाई हुई थी। आफताब को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था। इसके बाद अदालत ने आफताब की न्यायिक हिरासत को 14 दिनों के लिए बढ़ाने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस आरोपित आफताब का वॉट्सएप चैट और कॉल डिटेल निकाल चुकी है। अब आगे पुलिस वॉयस सैंपल को लेकर जांच करेगी।

क्या कहता है कानून

वॉयस सैंपल की रिकॉर्डिंग को लेकर सीआरपीसी में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं है। हालांकि सीआरपीसी की धारा 56 के तहत किसी मेडिकल प्रैक्टिशनर की निगरानी में किसी आरोपित के टेस्ट किए जा सकते हैं, जिनमें उसके रक्त के नमूने दुष्कर्म के मामले में वीर्य या पसीने के नमूने समेत अलग-अलग टेस्ट कराए जा सकते हैं, जिसे जांच एजेंसी मामले में अनिवार्य समझती हो।

असम विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को चुनाव आयोग की हरी झंडी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुरोध पर असम के विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन करने का निर्णय लिया है। परिसीमन के लिए 2001 की जनगणना के आंकड़े उपयोग किए जाएंगे। चुनाव आयोग के निर्णय के बाद अब 1 जनवरी, 2023 से परिसीमन की कवायद पूरी होने तक नई प्रशासनिक इकाइयों के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध होगा। इस संबंध में मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्तों अनूप चंद्र पांडेय और अरुण गोयल के नेतृत्व वाले आयोग ने असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे राज्य सरकार से इस बारे में विमर्श करें। चुनाव आयोग के अनुसार परिसीमन के लिए आयोग स्वयं

दिशानिर्देशों और कार्यप्रणाली को डिजाइन और अंतिम रूप देगा। परिसीमन के दौरान आयोग भौतिक सुविधाओं, प्रशासनिक इकाइयों की मौजूदा सीमाओं, संचार की सुविधा, जन सुविधा को ध्यान में रखेगा और जहां तक संभव हो निर्वाचन क्षेत्रों को भौगोलिक रूप से कॉम्पैक्ट रखा जाएगा। परिसीमन के प्रारूप को आयोग द्वारा अंतिम रूप दिए जाने के बाद इसे आम जनता से सुझावों व आपत्तियों के लिए केंद्रीय और राज्य राजपत्रों में प्रकाशित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 8ए के तहत यह निर्णय लिया है। संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत हालिया जनसंख्या आकड़ों का उपयोग होगा। संविधान के अनुच्छेद 330 और 332 के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों का आरक्षण प्रदान किया जाएगा।मंत्रालय ने चुनाव आयोग से 15 नवंबर को पत्र लिखकर असम में परिसीमन का अनुरोध किया था।

उल्लेखनीय है कि परिसीमन अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत, असम राज्य में निर्वाचन क्षेत्रों का अंतिम परिसीमन 1976 में तत्कालीन परिसीमन आयोग द्वारा 1971 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर किया गया था।

प्रधानमंत्री द्वारा लिखित एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक के विषय पर कला प्रतियोगिता

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने युवा छात्रों को परीक्षा के तनाव से निपटने में मदद करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा लिखित पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स में उल्लिखित विभिन्न मंत्रों के विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। एनडीएमसी और अन्य स्कूलों के लगभग 1500 छात्रों ने आज तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में भाग लिया। इस चित्रकला प्रतियोगिता का उद्घाटन भारत सरकार की संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव, उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय परिषद के सदस्या वैशाखा सैलानी, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और शिक्षकों की उपस्थिति में किया। मीनाक्षी लेखी ने कला प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों का आह्वान किया और आंचल स्कूल के विशेष रूप से सक्षम छात्रों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एग्जाम वॉरियर्स पुस्तक में सभी उम्र के छात्रों के लिए मजेदार, संवादात्मक और शैक्षिक तरीके से परीक्षा संबंधी तनाव से निपटने के मंत्र दिए हैं। उन्होंने पुस्तक से मंत्र - योद्धा बने, चिंता छोड़े' को उद्धृत किया और जीवन की हर परीक्षा में सफलता के लिए हर चिंता, तनाव और चुनौती से लड़ने के लिए एक योद्धा बनने पर जोर दिया। उन्होंने महाभारत के महान योद्धा - अर्जुन को याद किया और बिना किसी चिंता के केवल ध्यान केंद्रित करने और एकाग्रता से लक्ष्य पर एक नजर रखने का उदाहरण दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यह 'एग्जाम वॉरियर्स कार्यक्रम' संयोग से वीर बाल दिवस के ऐतिहासिक दिन पर साहबजादा जोरावर सिंह और साहबजादा फतेह सिंह के महान बलिदान को याद करने के लिए आयोजित किया गया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सड़क दुर्घटना में नगर पंचायत के ईओ सहित तीन की मौत

कन्नौज (उप्र),। कन्नौज जिले के तालग्राम थाना इलाके में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर घने कोहरे के कारण एक तेज रफ्तार कार के ट्रक से टकरा जाने के कारण कार सवार अधिशासी अधिकारी (ईओ) समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) डॉ अरविंद कुमार ने बताया कि मेरठ जिले के लावड़ नगर पंचायत में तैनात अधिशासी अधिकारी (ईओ) सुधीर सिंह व नगर पंचायत के लिपिक असलम तथा कार चालक तनुज ठाकुर सोमवार की रात लखनऊ से वापस मेरठ आ रहे थे। उन्होंने बताया कि तालग्राम थाना क्षेत्र से 172 किलोमीटर दूर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर उनकी कार ट्रक से टकरा गई, जिससे तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखचे उड़ गए। एएसपी ने बताया कि तीनों घायलों को तिर्वा के राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां सबसे पहले अधिशासी अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद इलाज के दौरान चालक तनुज ठाकुर और लिपिक असलम की भी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अधिशासी अधिकारी सुधीर सिंह मूल रूप से हापुड़ के निवासी थे, जबकि लिपिक असलम मेरठ के मवाना के रहने वाले थे। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में ओबीसी आरक्षण के बिना निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया

लखनऊ,। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मंगलवार को राज्य सरकार के नगरीय निकाय चुनाव संबंधी मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव बिना ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण के कराने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की पीठ ने यह आदेश दिया। इस फैसले से राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। पीठ ने उत्तर प्रदेश में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा पांच दिसंबर को तैयार मसौदा अधिसूचना को रद्द करते हुए निकाय चुनावों को बिना ओबीसी आरक्षण के कराने के आदेश दिए हैं। उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों के अनुसार ह्यट्रिपल टेस्ट फॉमूर्ले के बिना सरकार द्वारा तैयार किए गए ओबीसी आरक्षण के मसौदे को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं पर उच्च न्यायालय का यह फैसला आया।

प्रतापगढ़ में युवक-युवती का शव पेड़ से लटका मिला

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर जेठवारा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार को एक युवक-युवती का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जेठवारा के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अभिषेक ने बताया कि क्षेत्र के बलापुर गांव के बाहर एक युवक-युवती का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लिया। उनकी पहचान गांव के शिवम पटेल (19) और कल्पना पटेल (18) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों एक ही जाति से थे और सम्भवतः एक दूसरे से प्रेम करते थे। किसी पक्ष की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है। एसएचओ ने कहा कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही व घटना की जांच की जा रही है। हालांकि ग्रामीणों ने मामले में हत्या की आशंका जताई है।

शामली में पैसों के लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या, गन्ने के खेत में मिला शव

मुजफ्फरनगर । पड़ोसी शामली जिले के थाना भवन थाना क्षेत्र के एक गांव में 23 दिसंबर से लापता एक युवक का शव गन्ने के खेत से बरामद किया गया है। युवक की पैसों के लेनदेन के विवाद में हत्या कर दी गयी थी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शामली के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक झा ने पत्रकारों को बताया कि जिले के थाना भवन थाना क्षेत्र के भैसानी इस्लामपुर गांव में 23 दिसंबर से लापता युवक नाजिम (22) का शव पुलिस ने सोमवार को गन्ने के एक खेत में बरामद किया। एसपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने मारूफ और उसके दोस्त सहित दो लोगों को गिरफ्तारश किया है और आरोपी मारूफ की निशानदेही पर शव बरामद किया। उन्होंने बताया कि पूछताछ में मारूफ ने कबूल किया कि उसने नाजिम की ईंटों से वारकर हत्या की थी और उसके शव को गन्ने के खेत में फेंक दिया था। उसने यह भी बताया पैसों के लेनदेन के विवाद में नाजिम की हत्या की गई थी। परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए मारूफ पर आरोप लगाया था कि वह नाजिम को अपने घर बुलाकर ले गया और उसकी हत्या कर दी। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ गैंगस्टर समेत तीन नये आपराधिक मामले दर्ज

कानपुर (उत्तर प्रदेश)। आपराधिक मामलों में जेल में बंद कानपुर नगर केइ सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ तीननये आपराधिक मामले दर्ज किये गये हैं। सोमवार को पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) आनन्द प्रकाश तिवारी ने सोमवार को बताया कि विधायक सोलंकी के खिलाफ जाजमऊ पुलिस थाने में उप्र गिरोहबंद अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) एवं जबरन वसूली व धोखाधड़ी के दो मामले दर्ज किये गये हैं, जबकि एक अन्य मामला ग्वालटोली पुलिस ने दर्ज किया है। सोलंकी दो दिसंबर से जेल में बंद हैं। उन्होंने अपने छोटे भाई रिजवान के साथ एक भूमि विवाद मामले में दंगा और आगजनी का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आयुक्त के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। विधायक पर 11 नवंबर को दिल्ली से मुंबई जाने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल करने का भी आरोप है। तिवारी ने बताया कि पुलिस ने सपा विधायक के जेल में बंद भाई रिजवान सोलंकी, जेल में बंद बिल्डर शौकत अली उर्फ पहलवान, हिस्ट्रीशीटर इजराइल उर्फ आटे वाला और मोहम्मद शरीफ के खिलाफ भी गैंगस्टर में मामला दर्ज किया है। इनकी गिरफ्तारी 19 दिसंबर को हुई थी। संयुक्त पुलिस आयुक्त (जेसीपी) ने गैंगस्टर एक्ट लगाने के पीछे कारण बताते हुए कहा कि पुलिस जांच में पुष्टि हुई कि सपा विधायक इरफान सोलंकी ने जेल में बंद अपने भाई रिजवान, बिल्डर शौकत, हिस्ट्रीशीटर इजराइल उर्फ आटे वाला और मोहम्मद शरीफ को मिलाकर एक गिरोह बनाया था और वे मुख्य रूप से जमीन हड़पने व रंगदारी मांगने के मामले में शामिल थे। उन्होंने बताया कि सपा विधायक को गिरोह के नेता के रूप में दिखाया गया है जिसमें पांच सदस्य शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सपा विधायक के गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है और आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए लोगों के नाम भी मुकदमे में जोड़ने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा जाजमऊ थाने में विधायक सोलंकी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 386 (मौत का डर दिखाकर जबरन वसूली), 419 और 420 (धोखाधड़ी), 427 (शरारत से नुकसान करना), 504 (जानबूझकर अपमान) और 3/4 सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम के तहत एक अन्य मामला दर्ज किया गया है। इसमें विधायक के साथ ही जेल में बंद बिल्डर हाजी वसी उर्फ वसी बिल्डर, कमर आलम और शाहिद लारी के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि अगस्त, 2021 के एक मामले में एक उपनिरीक्षक द्वारा ग्वालटोली थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 147 (दंगा करना), 188 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेशों की अवहेलना करना), 269 और 270 (लापरवाही से जीवन के लिए खतरनाक किसी भी बीमारी के संक्रमण को फैलाने की संभावना वाला कोई भी कार्य करना) 332 और 353 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) और 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत एक और प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। गौरतलब है कि ताजा तीन मामलों के साथ दो माह के भीतर सोलंकी के खिलाफ कुल आठ मामले दर्ज हुए हैं और अब उनके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 18 पहुंच गयी है।

उत्तर प्रदेश में संक्रमण का कोई खतरा नहीं, आपात स्थिति से निपटने को तैयार हैं : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, कोरोना वायरस संक्रमण की संभावित लहर के मद्देनजर आपात स्थिति में तैयारियों के आकलन के लिए मंगलवार को उत्तर प्रदेश के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में मॉकड्रिल (पूर्वाभ्यास) किया गया। राज्य में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग मामलों के मंत्री और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक यहां राजधानी लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में किये गये पूर्वाभ्यास में शामिल हुए और भरोसा जताया कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर अब कोई खतरा नहीं है, फिर भी हम किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। बलरामपुर अस्पताल में उप मुख्यमंत्री पाठक ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए ठंड से कांपते एक मरीज को अपनी सदरी (जैकेट) निकालकर पहना दी। मॉकड्रिल के बाद बलरामपुर अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत में ब्रजेश पाठक ने कहा,कोविड-19 की तैयारियों के अवलोकन के लिए आज राज्य के सभी अस्पतालों में मॉकड्रिल की जा रही है। मैं आज लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल आया हूं और खुद ऑक्सीजन प्रवाह और वेंटिलेटर की जांच की है। उन्होंने सब कुछ ठीक-ठाक होने का दावा करते हुए कहा कि मेडिकल स्टाफ, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ के साथ आपात स्थिति में सभी लोग उपस्थित रहेंगे और सभी इस बात की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे कि यदि कोई संक्रमित मरीज आता है तो उसे भर्ती कर बेहतर इलाज करें। उन्होंने कहा कि राज्य भर में पूरी व्यवस्था बेहतर ढंग से की जा रही है। पाठक ने यह भी कहा, राज्य भर के अस्पतालों में मॉकड्रिल में कम से कम एक वरिष्ठ अधिकारी,विधायक या मंत्री मौजूद हैं। अन्य देशों में कोविड-19 के मामले हैं लेकिन हमारे राज्य में अभी संक्रमण का खतरा नहीं है, फिर भी हम किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। हम सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) के नेतृत्व में एक साथ मिलकर कोरोना वायरस को हराएंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से घबराने की जरूरत नहीं है, सिर्फ सतर्कता की जरूरत है और अगर आपके परिवार में, पड़ोस में कोई विदेश से कोई लौटकर आता है तो उसकी जानकारी प्रशासन को जरूर दें, ताकि उनकी जांच कराई जा सके। इससे यदि संक्रमण फैलता है तो उस वायरस के स्वरूप की जानकारी मिल सकेगी। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा और विपक्षी दलों को न्योता देने के सवाल पर उप मुख्यमंत्री ने कहा,यह उनका निजी मामला है कि वे किसे आमंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा फ्लॉप है और यह मजाक बनकर रह गयी है।

उप्र : लड़की को अगवा करने के मामले में फरार युवक ने गोली मारकर आत्महत्या की

बदायूं (उप्र), । बरेली में एक लड़की को अगवा करने के मामले में फरार दूसरे समुदाय के युवक ने बदायूं के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के एक ह्यगेस्ट हाउसह्ल में कथित तौर पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में लावेला चौक पर स्थित मॉडर्न गेस्ट हाउस में पिछले कुछ दिन से बरेली जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के फाइव एंक्लेव का निवासी अलीम (25) ठहरा हुआ था। सोमवार रात अलीम ने गेस्ट हाउस में खुद को गोली मार ली। साथ में ठहरे उसके दोस्त अलापुर थाना क्षेत्र के ककराला निवासी आलम ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस के अधिकारी घटनास्थल पहुंचे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. ओपी सिंह ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस अधीक्षक (नगर) अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि अलीम पिछले दिनों बरेली की एक हिंदू लड़की को भगा कर ले गया था, जिसे बरेली पुलिस ने दिल्ली से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया था और अलीम की तलाश कर रही थी। पुलिस ने अलीम के कई दोस्तों को भी पूछताछ के लिए उठाया था, इस कारण उसके दोस्तों ने उससे किनारा कर लिया था। पुलिस ने बताया कि अलीम के परिजनों ने भी उससे रिश्ता तोड़ लिया था, जिससे वह बहुत तनाव में था। श्रीवास्तव ने बताया कि अलीम के शव के पास पिस्तौल और एक हाथ में लड़की की तस्वीर मिली। उन्होंने बताया कि अलीम के दोस्त ककराला निवासी आलम से पूछताछ की गई

है, हालांकि आरंभिक जांच में मामला आत्महत्या का ही प्रतीत होता है। अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक के परिजन भी आधी रात को बदायूं पहुंच गए। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है और मामले की जांच जारी है।